

**First Professional BAMS Degree Regular/Supplementary Examinations  
June 2024**

**PAPER - I Samskritam Evam Ayurved Ithihasa – AyUG-SN & AI  
(2021 Scheme)**

Time: 3 Hours

Total marks:100

- Answer all questions to the point neatly and legibly • Do not leave any blank pages between answers • Indicate the question number correctly for the answer in the margin space
- Answer all parts of a single question together • Leave sufficient space between answers
- Draw table/diagrams/flow charts wherever necessary

**1. Multiple Choice Questions****(20x1=20)**

The Answers to MCQ questions (Q.No. i to Q.No. xx) shall be written continuously on the first two writing sheets (ie Page No. 3 & 4) only

- i. श्लेष्मा इत्यस्मिन् पदे मूर्धन्यः वर्णः कः?
 

a) श्	b) ल्	c) ष्	d) म्
-------	-------	-------	-------
- ii. मुखनासिकावचनः-----
 

a) अननुनासिकः	b) अनुनासिकः	c) नासिका	d) उपसर्गः
---------------	--------------	-----------	------------
- iii. अधिकरणकारकस्य का विभक्तिः?
 

a) द्वितीया	b) षष्ठी	c) सप्तमी	d) पञ्चमी
-------------	----------	-----------	-----------
- iv. शरीरचिन्तां निर्वर्त्य कृतशौचविधिः ततः। अस्मिन् वाक्ये निर्वर्त्य इति पदे कः प्रत्ययः?
 

a) ल्युट्	b) ल्यप्	c) ण्यत्	d) क्
-----------	----------	----------	-------
- v. विवृतप्रयत्नवन्तः वर्णाः के?
 

a) अन्तः स्थाः	b) स्वराः	c) स्पर्शाः	d) ऊष्माणः
----------------	-----------	-------------	------------
- vi. अर्थिनः न आक्षिपेत् । अस्मिन् वाक्ये अर्थिनः इति शब्दस्य का कारकसंज्ञा?
 

a) करणम्	b) अपादानम्	c) कर्म	d) कर्ता
----------	-------------	---------	----------
- vii. दृश् + क्त्वा=-----
 

a) दृश्वा	b) दृष्ट्वा	c) पशित्वा	d) दृशित्वा
-----------	-------------	------------	-------------
- viii. "कफः" इति पदे ओष्ठ्यः वर्णः कः?
 

a) क्	b) अ	c) विसर्गः	d) फ्
-------	------	------------	-------
- ix. "च" इत्यस्य का संज्ञा?
 

a) उपसर्गः	b) निपातः	c) संयोगः	d) संहिता
------------	-----------	-----------	-----------
- x. कस्याः विभक्तेः कारकसंज्ञा नास्ति?
 

a) सप्तमी	b) चतुर्थी	c) पञ्चमी	d) षष्ठी
-----------	------------	-----------	----------
- xi. बाह्यप्रयत्नाः कति?
 

a) पञ्च	b) त्रयः	c) एकादश	d) षट्
---------	----------	----------	--------
- xii. "सन्धिसंश्लेषात् श्लेषकः सन्धिषु स्थितः" इति वाक्ये श्लेषकः इति पदे कः प्रत्ययः?
 

a) ल्युट्	b) क्त	c) ण्वुल्	d) णिनि
-----------	--------	-----------	---------
- xiii. आ ऐ औ एतेषां वर्णानां का संज्ञा?
 

a) गुणः	b) वृद्धिः	c) ह्रस्वः	d) प्रत्याहारः
---------	------------	------------	----------------
- xiv. कर्तुः क्रियया आप्तुम् इष्टतमं कारकं किं संज्ञं भवति?
 

a) करणम्	b) कर्म	c) अधिकरणम्	d) कर्ता
----------	---------	-------------	----------
- xv. वर्णानाम् अतिशयितः सन्निधिः -----संज्ञः स्यात्।
 

a) संयोगः	b) संहिता	c) अनुस्वारः	d) सवर्णम्
-----------	-----------	--------------	------------

**(PTO)**

- xvi. "व्यानः हृदि स्थितः कृत्स्नदेहचारी महाजवः च भवति" । अस्मिन् वाक्ये हृदि इति पदस्य का कारकसंज्ञा?  
 a) अपादानम्                      b) कर्ता                              c) कर्म                              d) अधिकरणम्
- xvii. दुःखितः मणिभद्रः निद्रायां पद्मनिधिरूपं क्षपणकं दृष्टवान् । अस्मिन् वाक्ये दुःखितः इति पदस्य विशेष्यपदम् किम्?  
 a) पद्मनिधिः                      b) क्षपणकम्                      c) मणिभद्रः                      d) निद्रायाम्
- xviii. दानस्य कर्मणा यमभिप्रैति स ----- ।  
 a) सम्प्रदानम्                      b) अपादानम्                      c) करणम्                      d) अधिकरणम्
- xix. इत्संज्ञाविधायकं सूत्रं किम्?  
 a) आदिरन्त्येन सहेता      b) अदर्शनं लोपः                      c) हलन्त्यम्                      d) परःसन्निकर्षःसंहिता
- xx. "अनुकुर्यात्तमेवातो लौकिकेऽर्थे परीक्षकः" । अस्मिन् वाक्ये 'अर्थे' इति पदस्य विशेषणपदं किम्?  
 a) परीक्षकः                      b) तम्                              c) अनुकुर्यात्                      d) लौकिके

**Short Notes:**

**(8x5=40)**

2. अधोदत्तानां पदानां सन्धिं सन्धिच्छेदं वा लिखत
  - विषमः + तीक्ष्णः                      • हेतौ + ईर्ष्यत्                      • तस्मिन् + अवहितः                      • सम्यग्योगः                      • सेवेतेतरदूरगः
3. अधोदत्तानां पदानां विग्रहवाक्यं समस्तपदं वा लिखत
  - यथाबलम्                      • कूलच्छाया                      • परमादरः                      • स्वस्थेभ्यो हितम्                      • बुद्धिः अस्य अस्ति इति ।
4. कोष्ठतः समुचितेन अव्ययपदेन रिक्तस्थानानि पूरयत (तु, वा, च, अपि, एव, इह)
  - a) ते व्यापिनः ----- हन्नाभ्योरधोमध्योर्ध्वसंश्रयाः भवन्ति ।
  - b) भूमिदेहप्रभेदेन देशमाहुः----- द्विधा ।
  - c) तेन -----तु उत्तमाङ्गस्य बलहृत्केशचक्षुषाम् ।
  - d) मूत्रजेषु तु पाने ----- प्राग्भक्तं शस्यते घृतम् ।
  - e) कषायतिक्तमधुराः पित्तमन्ये ----- कुर्वते ।
5. रूपाणि लिखत
  - a) मनस्शब्दस्य तृतीया-एकवचनम् ।
  - b) भिषज् शब्दस्य षष्ठी-एकवचनम् ।
  - c) अग्निशब्दस्य चतुर्थी-एकवचनम् ।
  - d) अश्रुशब्दस्य सप्तमी-एकवचनम् ।
  - e) आयुष् शब्दस्य चतुर्थी-एकवचनम् ।
6. स्ववाक्येषु योजयत
  - उपदिशति                      • निर्दिशति                      • आनयति                      • उपजायते                      • विहरति
7. स्ववाक्येषु योजयत
  - देयम्                      • भुक्त्वा                      • पाठयितुं                      • प्रक्षाल्य                      • गत्वा
8. धातुरूपाणि लिखत
  - भूधातुः परस्मैपदि लृट् ।                      • त्यज् धातुः परस्मैपदि - विधिलिङ्
9. अधोदत्तेषु वाक्येषु रेखाङ्कितपदानां विभक्तिः कारकं च लिखत
  - a) हेमन्ते अनलः प्रबलः भवति ।
  - b) दर्शनस्पर्शनप्रश्नैः परीक्षेत च रोगिणम् ।
  - c) वैद्यः रोगिणे औषधं ददाति ।
  - d) दध्नुः उद्धृतं नवं नवनीतं वर्णबलाग्निकृत् भवति ।
  - e) सर्वदेहप्रसृतान् सामान् दोषान् निहरित् ।

**(PTO)**

**Answer briefly:**

(4x10=40)

10. समुचितरूपाणि विलिख्य वाक्ये योजयत ।

- कफशब्दस्य षष्ठीविभक्तिः-एकवचनम्।
- गुरुशब्दस्य द्वितीया-एकवचनम्।
- मेदस् शब्दस्य षष्ठीविभक्तिः-एकवचनम्।
- अम्बु-शब्दस्य तृतीया-एकवचनम्।
- असृज्-शब्दस्य षष्ठीविभक्तिः-बहुवचनम्।

B. अशुद्धिपरिहारं कुरुत ।

- समानेन गुणैः वृद्धिः भवति।
- तत्राद्यं मारुतं घ्नन्ति त्रयस्तिक्तादयः कफम्।
- तैश्च त्रयः प्रकृतयः हीनमध्योत्तमाः पृथक्।
- रजः तमः इति मनसस्य द्वौ दोषौ स्तः।
- बहुकल्पं बहुगुणं सम्पन्नं औषधः भवति।

11. अधोदत्तानां रेखाङ्कितपदानां विग्रहवाक्यं समासनाम्ना सह लिखत ।

- आढ्यो रोगी भिषगवश्यो भवति।
- तं कृत्वा अनुसुखं देहं मर्दयेच्च समन्ततः।
- स्निग्धं सोमात्मकं शुद्धम् ईषद् लोहितपीतकम्।
- आत्मवत्सततं पश्येदपि कीटपिपीलिकम्।
- स्नानशीलः सुसुरभिः सुवेषोऽनुल्बणोज्ज्वलः।

12. अधोदत्तानां रेखाङ्कितपदानां सन्धिच्छेदं सूत्रसहितं लिखत ।

- रोगस्तु दोषवैषम्यं दोषसाम्यमरोगता।
- तेषां कायमनोभेदादधिष्ठानमपि द्विधा।
- द्वौ च दोषावुदाहृतौ।
- नोर्ध्वजानुश्चिरं तिष्ठेत्।
- वातमूत्रशकृत्सङ्ग-दृष्ट्यग्निवधहृद्गताः।

13. A. अधोदत्तानां रेखाङ्कितपदानां समुचितं प्रत्ययं लिखत

- यस्त्वामशयसंस्थितः क्लेदकः सोऽन्नसङ्घातक्लेदनात्। (क्त, क्त्वा, ण्वुल्, क)
- यथा पक्षी परिपतन् सर्वतः सर्वमप्यहः। (शत्, शानच्, क्तवत्, तुमुन्)
- अवृत्तिव्याधिशोकार्ताननुवर्तेत शक्तिः। (क्त, तसिल्, क्तिन्, क्तवत्)
- दूष्यं देशं कालं आदयः सूक्ष्मसूक्ष्माः समीक्ष्य एषां दोषौषधनिरूपणं कुर्यात्। (ल्यप्, क्त्वा, णिनि, क्तिन्)
- तं कृत्वा अनुसुखं देहं मर्दयेच्च समन्ततः। (क्तवत्, क्त, क्त्वा, क्तिन्)

B. अधोदत्तानां पदानां प्रयोगं विपरिणमयत

- वैद्यः औषधं ददाति।
- वाग्भटाचार्येण अष्टाङ्गहृदयं क्रियते ।
- विकृतः दोषः देहं हन्ति।
- आतुरेण आतुरालयः गम्यते।
- नकुलेन सर्पः हन्यते ।

\*\*\*\*\*